MAIN NEWS HEADLINE Train News आ गई IRCTC की नई वेबसाइट, बीटा वर्जन म

विषय सूची (Table of Contents):

>> नई IRCTC वेबसाइट का बीटा वर्जन कहां और कैसे करें इस्तेमाल?...
>> बीटा वर्जन को एक्सेस करने के आसान चरण ...
>> MNIT जयपुर के छात्रों के सुझावों से बदली तस्वीर, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की पह...
>> IRCTC Beta Version नए पोर्टल में किए गए ये 4 बड़े और अहम बदलाव...
>> क्लीन इंटरफेस और अनचाहे पॉप-अप्स से मुक्ति...
>> इंटरफेस में सुधार के प्रमुख बिंदु ...
>> वन-स्क्रीन सीट अवेलेबलिटी और सुपरफास्ट चेकआउट...
>> बुकिंग प्रक्रिया को आसान बनाने वाले फीचर्स ...
>> नया Passenger Reservation Engine (PRE) कैसे बुकिंग को बनाएगा और भी आसान?...
>> कब लॉन्च होगा फाइनल पोर्टल और कैसे दर्ज कराएं अपना फीडबैक?...
>> निष्कर्ष (Conclusion)...
>> महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर...

भारतीय रेलवे ने देश के करोड़ों रेल यात्रियों को एक बड़ा तोहफा दिया है। रेलवे की ऑनलाइन टिकिट बुकिंग सेवा को अधिक आधुनिक, सुरक्षित और बेहद तेज बनाने के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (IRCTC) ने अपनी बिल्कुल नई वेबसाइट का बीटा वर्जन (Beta Version) लॉन्च कर दिया है। इस नए डिजिटल बदलाव के बाद यात्रियों को बिना किसी रुकावट के कुछ ही सेकंड में रेल टिकिट बुक करने की सुविधा मिलेगी।

आईआरसीटीसी की मौजूदा वेबसाइट का सफर साल 2002 में शुरू हुआ था। वर्तमान में इस पोर्टल पर रोजाना औसतन करीब 14.5 लाख से अधिक टिकिटों की बुकिंग की जाती है। भारी ट्रैफिक लोड के कारण पुरानी वेबसाइट पर कई बार बुकिंग धीमी होने की शिकायतें आती थी, जिन्हें दूर करने के लिए इस नए अपग्रेडेड वर्जन को पेश किया गया है। भारतीय रेल अपनी तकनीकी और बुनियादी ढांचे में लगातार क्रांतिकारी बदलाव कर रही है। यदि आप भी भारतीय रेल के भविष्य की आधुनिक तकनीकों के बारे में जानना चाहते हैं, तोभूल जाओ पुरानी ट्रेन! भारत में आ रही फ्यूनीक्यूलर रेलवे और फ्लाई बसकी विस्तृत रिपोर्ट देख सकते हैं।

नई IRCTC वेबसाइट का बीटा वर्जन: कहां और कैसे करें इस्तेमाल?

रेलवे प्रशासन ने इस नई वेबसाइट को आम जनता के परीक्षण के लिए खोल दिया है। इसका मुख्य उद्देश्य यात्रियों से व्यावहारिक अनुभव (User Experience) और प्रतिक्रियाएं प्राप्त करना है। अगर आप भी नई वेबसाइट पर टिकिट बुक करके इसका अनुभव लेना चाहते हैं, तो इसके लिए एक समर्पित लिंक जारी किया गया है।

बीटा वर्जन को एक्सेस करने के आसान चरण:

>> यात्री सीधे आधिकारिक बीटा लिंकhttps: www.irctc.co.in eticket पर जाकर नई वेबसाइट का उपयोग कर सकते हैं।

>> इसके अलावा, वर्तमान में सक्रिय मुख्य IRCTC वेबसाइट के होमपेज पर भी ऊपरी हिस्से में इस बीटा वर्जन का सीधा लिंक उपलब्ध कराया गया है।

>> इस बीटा वर्जन के जरिए यात्री अपनी यात्रा के लिए ट्रेनों की खोज, सीट उपलब्धता की जांच और टिकट बुकिंग की पूरी प्रक्रिया का लाइव अनुभव कर सकते हैं।

MNIT जयपुर के छात्रों के सुझावों से बदली तस्वीर, रेल मंत्री

इस नई सुपरफास्ट वेबसाइट के निर्माण की कहानी बेहद दिलचस्प है। इस नए डिजाइन और यूजर इंटरफेस को तैयार करने में शैक्षणिक प्रतिभा का बड़ा योगदान रहा है। रेल मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार, वेबसाइट में किए गए लगभग सभी महत्वपूर्ण और बड़े सुधार मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNIT), जयपुर के छात्रों के सुझावों पर आधारित हैं।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पूर्व में एमएनआईटी जयपुर के प्रतिभावान छात्रों के साथ एक विशेष संवाद सत्र आयोजित किया था। इस बातचीत के दौरान छात्रों ने रेलवे टिकट बुकिंग में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को रेखांकित किया था और कई तकनीकी सुझाव दिए थे। इन बेहतरीन विचारों से प्रभावित होकर रेल मंत्रालय ने छात्रों को सीधे वेबसाइट के विकास, नए डिजाइन और यूजर फ्रेंडली ढांचा तैयार करने की प्रक्रिया का एक सक्रिय हिस्सा बना लिया।

IRCTC Beta Version: नए पोर्टल में किए गए ये 4 बड़े और अहम बद

नई वेबसाइट को पहले से कहीं अधिक सरल, यूजर-फ्रेंडली और सुरक्षित बनाने के लिए मुख्य रूप से चार बड़े बदलाव किए गए हैं। इन बदलावों के बाद अब आम यात्रियों के लिए तत्काल बुकिंग के दौरान भी समय की काफी बचत होगी। आइए इन चारों बड़े सुधारों को विस्तार से समझते हैं:

क्लीन इंटरफेस और अनचाहे पॉप-अप्स से मुक्ति

पुरानी वेबसाइट पर अक्सर उपयोगकर्ताओं को ढेर सारे विज्ञापन, फ्लैशिंग ग्राफिक्स और बार-बार आने वाले अनचाहे पॉप-अप से परेशानी होती थी, जिससे टिकट बुकिंग की गति धीमी हो जाती थी। इस असुविधा को खत्म करने के लिए नए पोर्टल पर क्लीन और मिनिमल डिजाइन दिया गया है।

इंटरफेस में सुधार के प्रमुख बिंदु:

>> नो-पॉपअप्स पॉलिसी:टिकिट बुकिंग के दौरान ध्यान भटकाने वाले सभी पॉप-अप्स और विज्ञापनों को पूरी तरह हटा दिया गया है।

>> गैर-जरूरी कैप्चा से राहत:सामान्य बुकिंग चरणों के दौरान गैर-जरूरी कैप्चा कोड्स की संख्या सीमित कर दी गई है, जिससे सीधे भुगतान स्क्रीन पर पहुंचा जा सकेगा।

>> फ्लैशिंग ग्राफिक्स की विदाई:वेबसाइट का लोडिंग समय कम करने के लिए भारी ग्राफिक्स को हटा दिया गया है, जिससे कमजोर इंटरनेट कनेक्शन पर भी पेज तुरंत लोड हो जाता है।

वन-स्क्रीन सीट अवेलेबिलिटी और सुपरफास्ट चेकआउट

पहले यात्रियों को अलग-अलग कोच श्रेणियों (जैसे स्लीपर, 3AC, 2AC) में सीटों की उपलब्धता देखने के लिए बार-बार अलग-अलग बटनों पर क्लिक करना पड़ता था। अब इस थकाऊ प्रक्रिया को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है।

बुकिंग प्रक्रिया को आसान बनाने वाले फीचर्स:

>> सभी श्रेणियों में सीट उपलब्धता:अब यात्रियों को केवल एक क्लिक पर एक ही स्क्रीन के भीतर सभी क्लासों (Sleeper, AC, General) में सीटों की लाइव उपलब्धता एक साथ दिखाई देगी।

>> तेज चेकआउट प्रक्रिया:टिकिट बुक करने के लिए जरूरी चरणों (Steps) की संख्या को आधा कर दिया गया है, जिससे भुगतान करना और टिकिट डाउनलोड करना पहले से बेहद तेज हो गया है।

>> ऑटो-फिल डिटेल्स (Re-booking):यात्रियों द्वारा पूर्व में सेव की गई जानकारी और प्रोफाइल डिटेल्स सिस्टम में सुरक्षित रहेंगी, जिससे बार-बार नाम, उम्र और जेंडर जैसी व्यक्तिगत जानकारी टाइप करने की आवश्यकता नहीं होगी।

डिजिटल तकनीक के इन अपग्रेड्स के अलावा, केंद्र सरकार द्वारा कई अन्य जनकल्याणकारी नीतियां भी चलाई जा रही हैं। आप इनके बारे में जानने के लिएसरकार की 5 धांसू योजनाएं, सीधे खाते में पैसा और घर! जानें पूरी डिटेलको पढ़ सकते हैं, जहां सभी बड़ी सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध है।

नया Passenger Reservation Engine (PRE) कैसे बुकिंग को बनाएगा

वेबसाइट के बाहरी डिजाइन (Frontend) को बदलने के साथ-साथ रेलवे अपने बैकएंड सिस्टम यानी मुख्य बुकिंग इंजन को भी पूरी तरह अपग्रेड कर रहा है। रेलवे वर्तमान में समानांतर रूप से अपने पैसेंजर रिजर्वेशन इंजन (Passenger Reservation Engine - PRE) का आधुनिकीकरण करने में जुटा है।

यह पैसेंजर रजिस्ट्रेशन इंजन ही वह मुख्य रीढ़ है जो अलग-अलग बुकिंग प्लेटफॉर्म्स, ऐप्स और काउंटर सेवाओं को एक साथ जोड़ती है। जब यह नया शक्तिशाली इंजन पूरी तरह से नई वेबसाइट के साथ एकीकृत (Integrate) हो जाएगा, तो एक साथ लाखों यूजर्स के लॉगिन करने पर भी सर्वर डाउन होने या पेमेंट अटकने जैसी समस्याएं लगभग शून्य हो जाएंगी। रेलवे के अनुसार, इस नए इंजन को भी बहुत जल्द धरातल पर उतारा जा रहा है।

इसी तरह की सरकारी सुविधाओं और वित्तीय योजनाओं का सीधा लाभ उठाने के लिए आप हमारी दूसरी रिपोर्टPM-Kisan: घर बैठे मिनटों में पाएं अगली किस्त, बस करना होगा ये काम!भी देख सकते हैं, ताकि समय पर आपको सही जानकारी प्राप्त हो सके।

कब लॉन्च होगा फाइनल पोर्टल और कैसे दर्ज कराएं अपना फीडबैक?

रेल मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, पूरी तरह से कार्यरत और सभी आधुनिक फीचर्स से लैस मुख्य आईआरसीटीसी पोर्टल अगले कुछ हफ्तों के भीतर सभी के लिए लाइव कर दिया जाएगा। वर्तमान में चल रहा बीटा वर्जन केवल उपयोगकर्ताओं से सुझाव (Feedback) और एरर रिपोर्ट्स प्राप्त करने के लिए पेश किया गया है।

रेलवे ने देश के सभी नागरिकों और नियमित यात्रियों से अपील की है कि वे नए बीटा वर्जन पर जाएं, वहां से टिकट बुक करें और अपना अनुभव साझा करें। यात्रियों से मिलने वाली वास्तविक प्रतिक्रियाओं के आधार पर ही अंतिम वर्जन में जरूरी सुरक्षा सुधार और कोडिंग बदलाव किए जाएंगे ताकि आखिरी यूजर एक्सपीरियंस त्रुटिहीन हो सके।

निष्कर्ष (Conclusion)

आईआरसीटीसी की नई वेबसाइट और नया पैसेंजर रजिस्ट्रेशन इंजन (PRE) मिलकर भारतीय रेलवे के इतिहास में ऑनलाइन सेवाओं का एक नया अध्याय लिखेंगे। यह कदम न केवल दलालों और अवैध सॉफ्टवेयरों के प्रभाव को कम करेगा, बल्कि देश के आम नागरिकों को बिना किसी मानसिक तनाव के त्वरित और सुरक्षित यात्रा टिकट बुक करने का एक उत्कृष्ट माध्यम प्रदान करेगा। रेलवे का यह डिजिटल बदलाव वर्ष 2026 में तकनीकी उन्नति की दिशा में उठाया गया एक अत्यंत सराहनीय कदम है।

महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर

यह आईआरसीटीसी की आगामी नई और बेहद तेज वेबसाइट का एक परीक्षण (Testing) संस्करण है, जिसे आम जनता के सुझावों के लिए लाइव किया गया है।

यात्री टिकट बुक करने और नए फीचर्स का अनुभव लेने के लिए सीधे https: www.irctc.co.in eticket लिंक का उपयोग कर सकते हैं।

वेबसाइट के नए डिजाइन और यूजर इंटरफेस में किए गए बड़े बदलाव मुख्य रूप से MNIT (जयपुर) के छात्रों के अमूल्य सुझावों पर आधारित हैं।

यह बेहद हल्की और तेज है। इसमें अनचाहे विज्ञापन, पॉप-अप्स और फालतू कैप्चा कोड्स को हटाकर यूजर इंटरफेस को बिल्कुल क्लीन कर दिया गया है।

हां, अब यात्रियों को अलग-अलग श्रेणियों पर बार-बार क्लिक नहीं करना होगा। स्लीपर से लेकर एसी तक की सभी सीटें एक ही जगह लाइव दिखेंगी।

नहीं, नई वेबसाइट में पैसेंजर डिटेल्स ऑटो-सेव रहेंगी, जिससे बार-बार विवरण टाइप करने की जरूरत नहीं होगी और बुकिंग तेज होगी।

यह रेलवे का नया बैकएंड बुकिंग सिस्टम है जो सभी डिजिटल बुकिंग ऐप्स और काउंटर टिकटिंग को तेजी से संचालित करने का कार्य करता है।

बीटा परीक्षण समाप्त होने और यात्रियों से अंतिम प्रतिक्रियाएं मिलने के बाद, आगामी कुछ ही हफ्तों में नया मुख्य पोर्टल लाइव कर दिया जाएगा।

नहीं, इस नई वेबसाइट पर टिकट बुक करने के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क या एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लिया जाएगा, सामान्य शुल्क ही लागू होंगे।

हाँ, आप अपनी पुरानी और मौजूदा यूजर आईडी और पासवर्ड का उपयोग करके बीटा वेबसाइट पर भी आसानी से लॉगिन कर सकते हैं।

हाँ, क्लीन इंटरफेस, कम स्टेप्स और पैसेंजर डिटेल्स ऑटो-फिल होने की वजह से तत्काल बुकिंग में यात्रियों का काफी समय बचेगा।

यात्री बीटा पोर्टल पर लॉग इन करके वहां दिए गए फीडबैक (Feedback) विकल्प का उपयोग कर सीधे रेल मंत्रालय को अपने सुझाव भेज सकते हैं।